(ख) चिह्नांकन-सूची-रेटिंग स्केल
(Check-list Rating Scale)

रेटिंग मापनी का एक मुख्य प्रकार चिह्नांकन-सूची रेटिंग स्केल है। यहाँ निर्णायक (judge) के सामने बहुत से कथन (statments), विशेषण (adjectives) अथवा गुण (attributes) उपस्थित किये जाते हैं और निर्णायक को इन में से ऐसे कथनों, विशेषणों अथवा गुणों को चिन्ह लगा कर दिखाना पड़ता है जो रेटिंग किये जाने वाले व्यक्ति पर लागू होते हैं।

Scanned with CamScanner

रेबर तथा रेबर (Reber and Reber, 2001) ने इसकी परिभाषा देते हुए कहा है कि "चिह्नांकन-सूची-रेटिंग स्केल वह मापनी है जो शीलगुणों या विशेषताओं की ऐसी सूची पर आधारित है जिसमें निर्णायक उन गुणों या विशेषताओं पर चिन्ह लगाता है जो रेटिंग किये जाने वाले व्यक्ति पर लागू होते हैं।"[1]

उपर्युक्त परिभाषा के विश्लेषण से चिह्नांकन सूची रेटिंग स्केल के संबंध में निम्नलिखित बातें महत्त्वपूर्ण हैं–

(i) रेटिंग मापनी के कई प्रकार हैं जिन में चिह्नांकन-सूची रेटिंग स्केल एक महत्त्वपूर्ण प्रकार है।

(ii) इस मापनी में शीलगुणों, विशेषणों अथवा विशेषताओ की एक सूची होती है। सूची में यथासंभव संगत शीलगुणों, विशेषणों या विशेषताओं को शामिल किया जाता है।

(iii) इस मापनी में निर्णायक (judge) या रेटर (rater) सूची के उन गुणों या विशेषणों पर निशान (चिह्न) लगता है जो रेटिंग किये जाने वाले व्यक्ति पर (निर्णायक के अनुसार) लागू होते हैं।

उदाहरण: बलम तथा नेलर (Blum and Naylor, 1984) ने चिन्हांकन-सूची रेटिंग स्केल को स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित उदाहरण का उल्लेख किया है–

नीचे दिये-गये विशेषणों में केवल उन पर निशान लगाायें जो उस व्यक्ति पर लागू होता है जिसका रेटिंक करना है।

मैत्रीपूर्ण (Friendly)	दृढ़ (Tenacious)	स्वार्थी (Selfish)
उत्सुक (Eager)	इच्छुक (Willing)	उग्र (Radical)
असामाजिक (Withdrawn)	क्रुर (Cruel)	लालची (Greedy)
आक्रमनकार (Aggressive)	दुखद (stingy)	हठीला (Stubborn)
दुर्मीलित (Spoiled)	विद्रोह (Defiant)	सहायक (Helpful)
प्रसन्न (happy)	रुढ़ीवादी (Conservative)	शान्त (Quiet)

जहाँ तक अंकन (scoring) का प्रश्न है इसके लिए एक सरल विधि यह है कि प्रत्येक अनुकूल विशेषण (favourable adjective) के लिए +1 तथा प्रत्येक प्रतिकूल विशेषण (unfavourable adjective) के लिए-1 अंक दिया जाता है। इस तरह से प्राप्त कुल अंक (total score) के आधार पर उस व्यक्ति का मूल्यांकन संभव होता है। लेकिन अधिक विस्तृत चिन्हांकन-सूचियों की स्थिति में अंकन (scoring) की अधिक जटिल विधि का उपयोग किया जाता है जिस में विभिन्न एकांशों के लिए विभिन्न अंक दिये जाते हैं।

चिन्हांकन सूची (Check-list) का एक विकसित रूप वह है जिसको विवेचनात्मक चिन्हांकन-सूची (Critical incident check-list) कहते हैं (Flanagan, 1954)। इसमें तीन चरण (steps) निहित होते हैं-(i) विवेचनात्मक घटनाओं का संग्रह (collecting critical incidents), (ii) घटनाओं का स्केलिंग (scaling the incidents) तथा (iii) चिन्हांकन सूची मापनी का निर्माण (construction of the check-list scale)। प्रथम चरण में व्यक्ति के ऐसे व्यवहारों को निर्धारित किया जाता है जिन्हें निर्णायक आवश्यक या महत्वपूर्ण समझता है।

---

1. "Check-list rating scale is a rating scale based upon a list of traits or characteristics in which the rater checks those that apply to the person being rated."
—Reber & Reber, 2001, P.-598

Scanned with CamScanner

कार्य करते समय व्यवहारों के निरीक्षण के आधार पर व्यक्ति को अच्छा (good) या बुरा (bad) श्रेणी में रखा जाता है। प्रत्येक निर्णायक या पर्यवेक्षक से कहा जाता है कि वह अपनी स्मृति के आधार पर वास्तविक कार्य व्यवहार से सम्बद्ध बातों को व्यक्त करे। दूसरे चरण में विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा प्रत्येक घटना (incident) के लिए उसकी अनुकूलता के अनुसार मापनी–मूल्य (scale value) निर्धारित किया जाता है। तीसरे चरण में एक चिन्हांकन–सूची तैयार की जाती है जिसमें केवल ऐसे कथनों या घटनाओं (incidents) को रखा जाता है, जो अच्छा या बुरा कार्यकर्ता को परिभाषित करने में सफल होते हैं।

Scanned with CamScanner

(ग) वाध्य पसन्द रेटिंग स्केल
(Forced choice Rating Scale)

बाध्य पसन्द प्रविधि (FC technique) का विकास मूलत: व्यक्तित्व मापन उपकरणों में निहित समस्याओं के समाधान के संदर्भ में हुआ। लेकिन, बाद में इसका व्यवहार निष्पादन मूल्यांकन (performance appraisal) के लिए किया गया। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से इसका उदभव हॉर्स्ट (Horst) के हाथों 1940 के लगभग हुआ और जिसका व्यवहार

Scanned with CamScanner

ह्वेरी (Wherry) ने भी लगभग उसी समय किया। गिल्फोर्ड (Guilford, 1954) ने बाध्य पसन्द रेटिंग स्केल के निर्माण में निहित निम्नलिखित चरणों (Steps) का उल्लेख किया है–

(1) प्रथम चरण में किसी कसौटी की सतत रेखा (continuum) की उच्चतम तथा निम्नतम सीमाओं (extremes) पर होने वाले व्यक्तियों से संबंधित विवरण उस समूह के संदर्भ में निर्धारित किये जाते हैं, जिसका मूल्यांकन करना अपेक्षित होता है।

(2) दूसरे चरण में पहले चरण के विवरण (descriptions) का विश्लेषण सरल व्यवहार गुणों के रूप में किया जाता है। दूसरे शब्दों में एकांशों के निर्माण में निहित शीलगुणों का संक्षिप्त उल्लेख किया जाता है।

(3) तीसरे चरण में प्रत्येक तत्त्व के लिए दो मानों (values) अर्थात् विभेदन मान (discrimination value) तथा पसंद मान (preference value) को आनुभविक रूप से निर्धारित किया जाता है।

(4) चौथे चरण में एकांश बनाते समय युगल (pairs) बनाये जाते हैं। दो कथनों या पदों को मिला कर एक जोड़ा बनाया जाता है। इन कथनों या पदों में एक वैद्य (valid) होता है और दूसरा नहीं होता है। दोनों कथनों या पदों की आमुख वैधता (face validity) समान होती है ताकि निर्णायक की नजर में दोनों समान रूप से अनुकूल प्रतीत हो।

(5) पाँचवें चरण में कथनों या पदों के दो जोड़े को साथ मिला दिया जाता है, जिनमें एक कथन या पद उच्च पसंद मान वाला होता है, और दूसरा कथन या पद निम्न पसन्द मान वाला होता है।

(6) छठे चरण में निर्णायक (rater) के लिए आवश्यक निर्देश तैयार किया जाता है।

(7) सातवें चरण में एक ऐसे प्रतिदर्श पर उपकरण का प्रयोग किया जाता है, जिसके लिए एक वाह्य कसौटी (external criterion) होती है, जिसके आधार पर प्रतिक्रियाओं की वैधता निर्धारित की जाती है।

(8) आठवें चरण में एक अंकन कुंजी (scoring key) का निर्माण किया जाता है। इसके निर्माण का आधार सातवें चरण में प्राप्त परिणाम होता है। बाध्य पसंद विधि (forced choice method) में मुख्य रूप से दो प्रकार के सूचकांक (index) का व्यवहार किया जाता है। इन्हें विभेदक सूचकांक (discriminative index) तथा समता सूचकांक (equating index) कहते है।। विभेदक सूचकांक का तात्पर्य उस मापदंड (measure) से है जिससे पता चलता है कि एक शीलगुण (trait) किस सीमा तक अच्छे और बुरे कर्मचारियों के बीच अंतर बतला पाता है। समता सूचकांक का अर्थ यह है कि शीलगुणों के जोड़े का निर्माण इस ढंग से किया जाए कि जोड़े के दोनों शीलगुण समान रूप से निर्णायक (rater) को आकर्षित कर सके।

Scanned with CamScanner

(घ) मानक मापनी
(Standard Scale)

रेटिंग स्केल के एक प्रकार को मानक मापनी कहते हैं । इस मापनी या स्केल में मानकों (standards) या उदाहरणों (examples) का एक सेट (set) होता है । ग्राफीय मापनी (graphic scale) में जहाँ शाब्दिक संचालन बिन्दुओं (verbal anchor points) का व्यवहार किया जाता है, वहाँ मानक मापनी में विभिन्न प्रतिमानों का व्यवहार किया जाता है । निर्णायक (rater) इन्हीं प्रतिमानों के स्तर के अनुसार किसी व्यक्ति का मूल्यांकन करता है । कभी-कभी इस मापनी को व्यक्ति-व्यक्ति तुलना मापनी (man-to-man comparison scale) भी कहते हैं ।

उदाहरण—विश्वसनीयता (dependability) के मूल्यांकन के लिए नियोजित मापनी की रूपरेखा इस प्रकार होगी—

वह कितना विश्वसनीय है ?

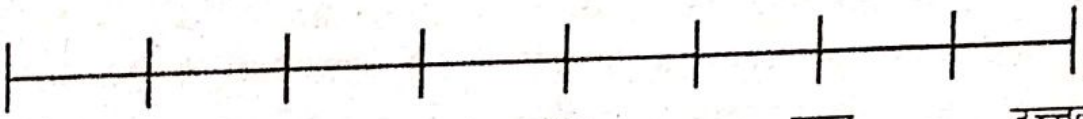

निम्नतम	निम्न	मध्य	उच्च	उच्चतम
Lowest	Low	Middle	High	Highest

अब निर्णायक (rater) जिस व्यक्ति का रेटिंग करना चाहता है, उसकी तुलना उपर्युक्त 5 स्थानों पर निर्धारित व्यक्तियों के साथ करता है । इसी प्रकार किसी पर्यवेक्षक (Supervisor) का उदाहरण रखकर उसके गुणों की सूची के स्तरों (Standards) के साथ किसी दूसरे पर्यवेक्षक का मूल्यांकन किया जा सकता है ।

ब्लाण्ज तथा घीसेली (Blanj and Ghiselli, 1972) ने मिश्रित मानक मापनी (mixed standard scale, MSS) का उल्लेख किया है जिसमें मूर्त व्यावहारिक उदाहरणों के आधार पर उन्नत निष्पादन (good performance, औसत निष्पादन (average performance) तथा निम्न निष्पादन (poor performance) का मूल्यांकन किया जाता है । कई

Scanned with CamScanner

मनोवैज्ञानिकों ने व्यावहारिक रूप से संचालित आश्रय रेटिंग स्केल (behaviourally anchored rating scale, BARS) का उल्लेख किया (Smith and Kendall, 1963; Landy, 1935) । इसी तरह कुछ मनोवैज्ञानिकों ने व्यावहारिक निरीक्षण स्केल (behavioral observation scale, BOS) का उल्लेख बेहतर विकल्प मापनी के रूप में किया । (Latharn and Wexley, 1977; Latham, Saari and Fray, 1980) ।

Scanned with CamScanner